University in News on 18 August 2024

HINDUUSTAN PAGE 8

पीजी छात्रों का अभिलेख सत्यापन 20 व 21 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नए सत्र 2024-25 में पीजी में प्रवेश लेने वाले छात्रों का अभिलेख सत्यापन 20 और 21 अगस्त को होगा। प्रवेश समन्वयक अनित्य गौरव ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का प्रवेश हो चुका है उनको प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर व फीस रसीद के साथ सभी मूल्य प्रमाण पत्र, अंक पत्र तथा उनकी स्वतः हस्ताक्षरित प्रति लेकर अभिलेख सत्यापन के लिए सुबह 11 बजे पंहुचना होगा।

एलयू के शोधार्थी उज्बेकिस्तान जाएंगे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के एटमॉस्फेरिक एंड स्पेस रिसर्च लैब में डॉक्टोरल शोधार्थी प्रियांक श्रीवास्तव को कोसपार (कमिटी ऑन स्पेस रिसर्च) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित कार्यशाला कोरोनल और इंटरप्लेनेटरी शॉक्सः सोहो, स्टीरियो, एसडीओ, विंड, और ग्राउंड-बेस्ड रेडियो डेटा का विश्लेषण में भाग लेने के लिए चुना गया है। यह कार्यशाला 19 से 30 अगस्त तक समरकंद राज्य विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान में आयोजित की जाएगी। पूरे विश्व से 40 प्रतिभागियों का चयन किया गया है।

एलयू: बीए के नव प्रवेशी छात्रों को इतिहास बताया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ए पी सेन सभागार में शनिवार को बी ए प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। जिसमें नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय के इतिहास से परिचित कराया। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविन्द मोहन ने कहा कि जो छात्र आज विश्वविद्यालय में अध्ययन करने आ रहे हैं, हिंदुस्तान की एक अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश मिला है। यह विश्वविद्यालय 1865 में दो कमरे से शुरू हुआ था।

उज्बेकिस्तान में होने वाली अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल होंगे एलयू के प्रियांक

लखनऊ,लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के एटमॉस्फेरिक एंड स्पेस रिसर्च लैब में डॉक्टोरल शोधार्थी प्रियांक श्रीवास्तव, जो अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह के सुपरविज़न मे पीएच.डी. कर रहे हैं, को कोसपार (कमिटी ऑन स्पेस रिसर्च) की प्रतिष्ठित कार्यशाला कोरोनल और इंटरप्लेनेटरी शॉक्सः सोहो, स्टीरियो, एसडीओ, विंड, और ग्राउंड-बेस्ड रेडियो डेटा का विश्लेषण में भाग लेने के लिए चुना गया है। यह कार्यशाला 19 से 30 अगस्त, 2024 तक समरकंद राज्य विश्वविद्यालय, समरकंद सिटी, उज्बेकिस्तान में आयोजित की जाएगी। यह कोसपार क्षमता निर्माण कार्यशाला, कोरोनल मास इजेक्शन्स (सीएमई) द्वारा संचालित शॉक्स के अध्ययन के

लिए स्पेस-बेस्ड व्हाइट-लाइट कोरोनाग्राफ और रेडियो स्पेक्ट्रल अवलोकनों के डेटा विश्लेषण पर केंद्रित है। इस कार्यशाला मे प्रियांक को विभिन्न अंतरिक्ष मिशनों और ग्राउंड-बेस्ड अवलोकनों से डेटा का विश्लेषण करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे वे पृथ्वी पर प्रभाव डालने वाली सौर संक्रमणशील घटनाओं की जांच कर सकेंगे। इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए पूरे विश्व से 40 प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जिनमें से 20 उज्बेकिस्तान से और बाकी अन्य देशों से है। प्रियांक को विश्व के अन्य हिस्सों से चयनित प्रतिभागियों में प्रियांक चुने गए। सीनियर रिसर्च फेलो (संयुक्त सीएसआईआर -यूजीसी नेट) होने के साथ-साथ, उन्होंने पाइथन (टेंसरफ्लो, डेटा ऑग्मेंटेशन और न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके समय श्रृंखला का पूर्वानुमान), लिनक्स और डेटा विश्लेषण में विशेष पाठ्यक्रम पूरे किए हैं और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग और इनवर्टेड सर्न स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग 2020 जैसी कार्यशालाओं में भाग लिया है। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के डीन प्रोफेसर ए.के. सिंह ने प्रियांक की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

LOKSATYA PAGE 3

विश्वविद्यालय 1865 में दो कमरे से शुरू हुआ था

लखनऊ,लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय की एपी सेन सभागार में कला संकाय के संकाय अध्यक्ष के लिए बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का ओरिएंटेशन (अभिमुखीकरण)/ इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित। स्वागत भाषण में अधिष्ठाता कला संकाय ने कहा कि जो छात्र आज विश्वविद्यालय में अध्ययन करने आ रहे हैं। वह हिंदुस्तान की एक अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिए हैं। यह विश्वविद्यालय 1865 में दो कमरे से शुरू हुआ था। वर्ष 1920 में इसकी स्थापना हुई। आज 104 साल के बाद यह हिंदुस्तान का एक अच्छा विश्वविद्यालय बन चुका है।

इस विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ रैंकिंग 97 है। यूजीसी से ए डबल प्लस रैंकिंग प्राप्त है और यूजीसी से ग्रेड 1 का दर्जा प्राप्त है। इसके दो कैंपस हैं, पहला मुख्य केंपस और दूसरा सेकंड कैंपस जो जानकीपुरम में

धरोहर

- **छात्रों का ओरिएंटेशन इंडक्शन प्रोग्राम हुआ**

है। जल्दी ही तीसरे कैंपस की स्थापना होगी। पूर्व में स्थापित हमारा मेडिकल फैकल्टी अब मेडिकल विश्वविद्यालय बन चुका है और इंजीनियरिंग फैकेल्टी टेक्निकल विश्वविद्यालय बन चुका है। विश्वविद्यालय में कुल 12 संकाय हैं। यह एक बड़ी संस्था है। आर्ट फैकल्टी में 27 विभाग हैं तथा कई इंस्टिट्यूट है, कुल मिलाकर 32 विभाग हैं। कोई विश्वविद्यालय ऐसा नहीं है जिसकी आज फैकल्टी में 32 विभाग हों। आपके पास अपॉर्चुनिटी बहुत है आप अपनी रुचि के अनुसार अपना अपना भविष्य तैयार करें। आपको अपने विभाग में जाना होगा वहां टीचर से इंट्रोडक्शन करना होगा हमारे विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों को पद्मश्री जैसे सम्मानों से सम्मानित किया गया है। यहां बहुत सुविधा है। पढ़ाई, स्पोर्ट्स आज बहुत सुविधाएं हैं । लीना जौहरी ने कहा कि मैं जो कुछ भी हूं विश्वविद्यालय की वजह से हूं। जो आपको सपोर्ट चाहिए विश्वविद्यालय आपको देगा।

सुधीर मिश्र ने कहा कि आपका इस विश्वविद्यालय में स्वागत है। लखनऊ विश्वविद्यालय वास्तव में विश्व को रिप्रेजेंट करता है। आशुतोष पांडेय ने कहा यहां आपको अपना पोटेंशियल मिलेगा जितना इंटरेक्शन आप डिफरेंट पर्सन को करोगे उतना ही आपको प्राप्त होगा यहां आपको अपना पैसा ढूंढना है, टाइम मैनेजमेंट करना है। आपको प्रतिदिन इतनी मेहनत करनी चाहिए, जैसे वह आपका लास्ट डे है। आप अपने काम को डिलीट करें तथा टाइम मैनेजमेंट के साथ अपने काम को सुचारू रूप से संपन्न करें। केवल पढ़ने से ही नहीं आप हर एक्टिविटीज में भाग ले।

TOI PAGE 2

LU scholar picked for space research

Doctoral scholar, department of physics at LU, **Priyank Srivastava** has been selected for a workshop organised by the Committee on Space Research workshop at Samarkand State University in Uzbekistan. Srivastava will participate in the workshop Coronal and Interplanetary Shocks, Analysis of SOHO, STEREO, SDO, WIND, and Ground-based Radio Data to be held from Aug 19-30. "It's a proud moment for me and I am grateful to my supervisor and the people who supported me throughout my journey," said Priyank.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के प्रियांक जाएंगे समरकंद विवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के एटमॉस्फेरिक एंड स्पेस रिसर्च लैब में शोधार्थी प्रियांक श्रीवास्तव उजबेकिस्तान के समरकंद विश्वविद्यालय जाएंगे। वह इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह के मार्गदर्शन में शोध कार्य कर रहे हैं। उन्हें कमिटी ऑन स्पेस रिसर्च की ओर से होने वाली कार्यशाला कोरोनल और इंटरप्लेनेटरी शॉक्स : सोहो, स्टीरियो, एसडीओ, विंड, और ग्राउंड-बेस्ड रेडियो डेटा का विश्लेषण में भाग लेने के लिए चुना गया है। यह कार्यशाला 19 से 30 अगस्त तक चलेगी। (संवाद)